MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Need for a School Fees Control Act to protect the poor parents and students

श्री राजमणि पटेल (मध्य प्रदेश): माननीय सभापति जी, मैं फीस नियंत्रण अधिनियम बनाए जाने के संबंध में सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। सर, सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अभाव के कारण गरीब अभिभावक अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाने के लिए मजबूर होते हैं और वहां फीस का कोई नियम कायदा-कानून नहीं है। गरीब अभिभावकों से फीस के नाम पर करोड़ों रुपये की वसूली की जाती है। किताब, कॉपी और ड्रेस के लिए भी स्कूलों द्वारा दुकानें निर्धारित की गई हैं, जहां करोड़ों रुपये के कमीशन का खेल होता है। माननीय सभापति महोदय, छुट्टी के दिनों में भी जब स्कूल बंद होते हैं, तो उस समय की भी फीस वसूल की जाती है। इस तरह से भारत में अरबों रुपये का खेल हो रहा है। एससी, एसटी, ओबीसी और कमज़ोर वर्ग के करोड़ों अभिभावक और छात्र-छात्राएं लुट रहे हैं। गरीबों द्वारा कार्यवाही की शिकायत करने से बच्चों को फेल करने का और स्कूल से निकाल देने का डर बताया जाता है। जब उनकी शिकायत की जाती है, तो कोई ठोस नियम कायदा-कानून न होने से उन पर कोई कार्यवाही भी नहीं हो पाती है। मैं सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि सरकार फीस नियंत्रण अधिनियम बनाए और गरीबों को लुटने से बचाए।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री सुजीत कुमार (ओडिशा): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

डा. सस्मित पात्रा (ओडिशा): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह (बिहार): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री रवि प्रकश वर्मा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

SHRI M. SHANMUGAM (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI N.R. ELANGO (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

Impact of floods in the midst of Corona in the State of Bihar

प्रो. मनोज कुमार झा (बिहार): माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान कोरोना और बाढ़ की तरफ आकृष्ट करना चाहता हूं। कोरोना और बाढ़ ने दोहरी आपदा के रूप में पूरे बिहार की लगभग एक बड़ी आबादी को प्रभावित कर रखा है। सर, कोरोना कहता है कि दैहिक दूरी होनी चाहिए और बाढ़ उन तमाम संभावनाओं को खत्म कर देती है। बिहार के लिए बहुत आपदा का क्षण है। एक पोलिटिकल इकोनॉमी भी फ्लड की होती है। मैं समझता हूं कि बाढ़ प्राकृतिक आपदा है और वह इस बार कोरोना काल में आई है और साथ ही साथ कभी मानव जनित, मानव निर्मित या मानव द्वारा की गई भूल की वजह से बाढ़ आती नहीं है, लाई भी जाती है। महोदय, मेरा सिर्फ आपके माध्यम से यह कहना है कि हम सब मिलकर एक स्थायी समाधान ढूंढ़ें। इसमें एक पक्ष नेपाल का भी है। मैं केन्द्र सरकार से आग्रह करूंगा कि एक स्थायी समाधान जब तक नहीं होगा, बिहार अक्सर बाढ़ की इस आपदा से और खासकर इस बार कोरोना काल में भी जूझ रहा है। मैं इसलिए भी ध्यान आकृष्ट करता हूं, क्योंकि कई अन्य कारणों से बिहार अभी सामूहिक चिंता का विषय है। मैं आग्रह करूंगा कि बिहार को सख्त और फौरी तौर पर पहल करने की आवश्यकता है, ताकि लोगों के अंदर जो डर है कि दैहिक दूरी कैसे हो और दूसरी ओर बाढ़ को भी झेलना है। रिलीफ कैंपों की हालत आपको बता देती है कि हालात क्या हैं? सर, बस मैं इतना ही कहकर अपनी बात समाप्त करता हूं। जय हिन्द।

MR. CHAIRMAN: Prof. Jha, you are proving that professors also can be crisp.

डा. सस्मित पात्रा (ओडिशा): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

डा. अमर पटनायक (ओडिशा): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

डा. फौजिया खान (महाराष्ट्र): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री रवि प्रकाश वर्मा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री भास्कर राव नेक्कांति (ओडिशा): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।